जुड़ाव

पारस अरोड़ा

धरती प्रकाशन

जुड़ाव

पारस अरोड़ा

धरती प्रकाशन

विगत

'झळ' रै ओळै-दोळै

जुड़ाव

आगै ओ पसराव

कीं नैनी कवितावां

विगत

'झळ' रै ओळै-दोळै

जुड़ाव

आगै ओ पसराव

कीं नैनी कवितावां

मून तूटयौ

आंधियां अर बतूळियां री
वारंवार थप्पड़ां खाय'र ई मून
अेक सिलाखंड।
आपरी संपूरण सगती सू
आपरा दोनू हाथां नैं
सिलाखड माथै पछाटती देही।
'खट्ट' री आवाज समचै
देह संबंध तोड़ती
पुणचां री हाडकियां।
जगै छोड
गळै कांनी खिचतौ-सो काळजौ।
कोई अेक पड़रूप टांक'र
थिर व्हियोड़ी आंख्यां।

आंख्यां मीचली आखौ जंगळ
पतझड़ ज्यूं खिरगा सगळा कान
रोसणियां
ओढली अंधारै री सीरखां
मुलक री मुळक खायगी तेड़,
किणी-किणी वात सारू
कदेई-कदेई इत्ती वडी भासा
ओछी पड़ जावै
अठी ओ भापर, उठी वा खाई

मून तूटचौ

आंधियां अर बतूळियां री
बारंबार थप्पड़ां खाय'र ई मून
अेक सिलाखंड।
आपरी संपूरण सगती सू
आपरा दोनू हाथां नैं
सिलाखड माथै पछाटती देही।
'खट्ट' री आवाज समचै
देह संबंध तोड़ती
पुणचां री हाडकियां।
जगै छोड
गळै कांनी खिचतौ-सो काळजौ।
कोई अेक पड़रूप टांक'र
थिर व्हियोड़ी आंख्यां।

आंख्यां मींचली आखौ जंगळ
पतझड़ ज्यूं खिरगा सगळा कान
रोसणियां
ओढली अंधारै री सीरखां
मुलक री मुळक खायगी तेड़,
किणी-किणी बात सारू
कदेई-कदेई इत्ती बडी भासा
ओछी पड़ जावै
अठी ओ भाग्यर, उठी वा घाई

चोरी

खून सीचियां फूटी कूंपळ
परसेवो पी बूटो फळियो
म्हैं जाण्यो—आ म्हारी मैणत
फूलां-फळां मजूरी मिळसी !

आ कद जांणी—
तन विसरामां थपकी देता
मन नीदड़ली पोथी पढ़तां
रात आगणै
अंधारै री लगा निसरणी
चोर चांदणो यूं कर दैला !

निकळ्‌ला जद सोधण
म्हारा रगत-पुसप नैं
फळ-रस बदळ्या
परसेवा नैं
तद पांखड़ियां
बिखरयोड़ी मिळसी
रगत पुसप री
सूखोड़ा छूतरका मिळसी
रस रै फळ रा।

कद जांणी हो—
रगत-पुसप री रगत
जमानो यूं चूसैला,
परसेवो म्हारो यूं चोरी व्है जासी।

चोरी

खून सींचियां फूटी कूंपळ
परसेवो पी बूटो फळियो
म्हैं जाण्यो—आ म्हारी मैणत
फूलां-फळां मजूरी मिळसी !

आ कद जांणी—
तन विसरामां थपकी देता
मन नींदड़ली पोथी पढ़तां
रात आगणैं
अंधारै री लगा निसरणी
चोर चांदणो यूं कर दैला !

निकळूला जद सोधण
म्हारा रगत-पुसप नैं
फळ-रस बदळचा
परसेवा नैं
तद पांखड़ियां
बिखरयोड़ी मिळसी
रगत पुसप री
सूखोड़ा छूतरका मिळसी
रस रै फळ रा।

कद जांणी ही—
रगत-पुसप री रगत
जमानो यूं चूसैला,
परसेवो म्हारो यूं चोरी व्है जासी।

जगं-जगं पाटा बांध्योड़ी
पड़ी ही अेक जगं
लेवती विसराम !

नी जाणं अणजांण्या सुभचिंतक
किण दिसा सूं आय घेरौ घाल
उणरी देही रं उपचार सारू
अस्पताळी जाच रौ परचौ बणायौ
जंगळां रं बीच 'सेनिटोरियम' में
लाय'र भरती कियौ
खरचौ लगायौ।

मन बिलमावण नं
प्राकरतिक छवियां ही
मूंछदार चपड़सी
स्वागत नं हाजिर हा।
देख
वांरा होठां री मुळक'र
आख्यां री चमक
चमचेड़
काळजौ पकड़
ऊंधी लटकगी ही।

धारियोड़ी अधिकार
आग्रे जंगळ माथं
सांयत तोड़ती
उण इमारत रं मांय
पिलंगां पसवाड़ा फेरता
हाड-पिंजर देख
पग लारं सिरकगा।

कांपता-सा सबद फूटया—
"औ कांई ? औ कांई डाक्टर,

जगै-जगै पाटा बांध्योड़ी
पड़ी ही अेक जगै
लेवती विसराम !

नी जाणै अणजांण्या सुभचिंतक
किण दिसा सूं आय घेरौ घाल
उणरी देही रै उपचार सारू
अस्पताळी जाच रौ परचौ बणायौ
जंगळां रै बीच 'सेनिटोरियम' में
लाय'र भरती कियौ
खरचौ लगायौ।

मन बिलमावण नै
प्राकरतिक छवियां ही
मूंछदार चपडसी
स्वागत नै हाजिर हा।
देख
वांरा होठां री मुळक'र
आख्यां री चमक
चमचेड़
काळजौ पकड़
ऊंधी लटकगी ही।

धारियोड़ी अधिकार
आगै जंगळ माथै
सांयत तोड़ती
उण इमारत रै मांय
पिलंगां पसवाड़ा फेरता
हाड-पिंजर देख
पग लारै सिरकगा।

कांपता-सा सबद फूटया—
"ओ कांई ? ओ कांई डाक्टर,

दिनोदिन
हाडकां री थोथ में व्हेतो वधापो
काळू टो पडतो-पड़तो ज्यू आकास
सूरतां अर मूरता पड़छांवळी वणती
देख/चामड़ै चढतो हळको हळदिया रंग
भोगनो भंवाली खायगो।

धीरै-धीरै धुपती चेतना
मांवोमांय फुकीजती देही
आंख्या सांमी लोप व्हेती उजास किरणा
वंद व्हेता सुणीजणा
स्वरा रा भणकारा
बिना दवा-दारू
अमूझणिया वण आवता
वेहोसी रा दौरा
उपचार अर उपचारकां री
करायदी ओळख।
ऊठण लागा खिलाफत रा पग
कोई उळझियो वाड़ में
कोई खायो गोळी, कोई खाई मार
धीरै-धीरै समझगा सगळा
कुण'र क्यू वांरो कर रैया उपचार
व्हेण लागो अेकठो
उपचार सू इनकार।

हारगा इण रोग सांमी डाक्टर
मांनता आ वात वांनै ई
रोगी वणण रो डर
आंखियां रै अंधारै सोचै सूझता डाक्टर
मौत रै मूडा आगै बिखरता घर अर
सांकड़ा स्वीकारतो डाक्टर रो डर।

बधापो व्है रैयो है

दिनोदिन
हाडकां री थोथ में व्हेतो वधापो
काळूटो पडतो-पड़तो ज्यू आकास
सूरतां अर मूरता पड़छांवळी वणती
देख/चामड़ै चढतो हळको हळदिया रंग
भोगनो भंवाली खायगो ।

धीरै-धीरै धुपती चेतना
मांवोमांय फुकीजती देही
आंख्या सांमी लोप व्हेती उजास किरणा
वंद व्हेता सुणीजणा
स्वरा रा भणकारा
बिना दवा-दारू
अभूझणिया वण आवता
वेहोसी रा दौरा
उपचार अर उपचारकां री
करायदी ओळख ।
ऊठण लागा खिलाफत रा पग
कोई उळझियो वाड़ में
कोई खायो गोळी, कोई खाई मार
धीरै-धीरै समझगा सगळा
कुण'र क्यू वांरो कर रैया उपचार
व्हेण लागो अेकठो
उपचार सू इनकार ।

हारगा इण रोग सांमी डाक्टर
मांनता आ वात वांनै ई
रोगी वणण रो डर
आंखियां रै अंधारै नीचै रुळता टावर
मौत रै मूडा आगै बिखरता घर अर
सांकड़ा स्वीकारतो डाक्टर रो डर।

वधापो व्है रैयो है

इतिहास-पख

लो,
अेक पूरो दळ रो दळ
सांमी आयगो है
इतिहास-पख ।

पलोपल, पगोपग
चौफेर उजागर व्हेतो
मौत मुडै चढ़ियोड़ी
गळियां अर मकानां सू निकळ
मोरचो लेतो
आयगो चौरावै घुरकावतो
इतिहास-पख औ साव सामोसांम ।

सूखोड़ी देहियां में
लेवती पसराव
जड़ां
बदळाव री,
अर समरथन रूप आं ऊंचा व्हियोड़ा
हाथां री खुली हथेळियां
बंद व्हेय मुट्ठी में बदळीजण लागगी
रगत रंग आख्यां में उकळीजण लागगो
कसोटिया
चढ़गो है बद आदमी रो

इतिहास-पख

लो,
अेक पूरी दळ री दळ
सांमी आयगो है
इतिहास-पख।

पलोपल, पगोपग
चौफेर उजागर व्हेतो
मौत मुडै चढ़ियोड़ी
गळियां अर मकानां सू निकळ
मोरचो लेतो
आयगो चोरावै घुरकावतो
इतिहास-पख ओ साव सामोसांम।

सूखोड़ी देहियां में
लेवती पसराव
जड़ां
बदळाव री,
अर समरथन रूप आं ऊंचा व्हियोड़ा
हाथां री खुली हथेळियां
बंद व्हेय मुट्ठी में बदळीजण लागगी
रगत रंग आख्यां में उकळीजण लागगो
कसोटिया
चढगो है बद आदमी रो

क्यूं के   वो देखो हत्यारो हाथ
फेर उण कँवळी जमी माथै
घावां रो दरखत उगायगो।
अबै उणरी हरकतां रा पडुत्तर देवण नैं
अेक पूरो दळ सांमी आयगो
—इतिहास-पख !

आपरो आकाश   आपरी दिसावा धारतो
पगां हेटली जमीं माथै
खुद रै अधिकार री घोसणा करतो
थोपीज्योड़ा आरोपां री नीव खोदतो
खुद रो अेक सूरज-मंडळ उँचायां
वो कैयां रा प्रभा-मंडळ तोड़तो
आयगो है
जवानां रो जूथ—औ इतिहास-पख !

इण पख री किणी पुड़त
कोई इतिहास पुरस
उळझ्योड़ा नखतरां रा गणित नैं सुलझावतो
समूलै वदळाव री रूपरेखा धारतो
नी जाणै किण इकांत   कठै बैठो है
सांमी है   नवजवानी झुंड
अेक टोळो—इतिहास-पख !

क्यूं के वो देखो हत्यारो हाथ
फेर उण कॅवळी जमी माथै
घावां रो दरखत उगायगो।
अबै उणरी हरकतां रा पडुत्तर देवण नैं
अेक पूरो दळ सांमी आयगो
—इतिहास-पख !

आपरो आकाम आपरी दिसावा धारतो
पगां हेटली जमीं माथै
खुद रै अधिकार री घोसणा करतो
थोपीज्योड़ा आरोपां री नीव खोदतो
खुद रो अेक सूरज-मंडळ उंचायां
वो केयां रा प्रभा-मंडळ तोड़तो
आयगो है
जवानां रो जूथ—ओ इतिहास-पख !

इण पख री किणी पुड़त
कोई इतिहास पुरस
उळझ्योड़ा नखतरा रा गणित नैं सुलझावतो
समूलै बदळाव री रूपरेखा धारतो
नी जाणै किण इकांत कठै बैठो है
सांमी है नवजवानी झुंड
अेक टोळो—इतिहास-पख !

जुड़ाव

अेक लाम्बी कविता

जुड़ाव

अेक लम्बी कविता

जुड़ाव

सगळी आंगळियां अेक सरीखी नी व्है
—इत्तो कैवण सूं पूरी नी व्है वात
जठै तांई नी कैवां
के सगळी आंगलियां अँगूठै समेत
हथेळी सूं जुड़पोड़ी व्हिया करै !

आदमी
खुद री ओळख खुद व्हिया करै
आपरा तमाम
निवळा-सवळा अँगा-प्रत्यँगां समेत
गिणीजै जिणरी अेकोअेक हरकत
अर गवाही नै त्यार
जवान माथै आवणियी
अरथ री तमाम गुजाइसा रो बोझ उँचायां
अेकोअेक सबद
आदमी री ओळख सूँ जुड़पोड़ा व्हिया करै
आदमी खुद री ओळख खुद दिया करै।

आदमी री
अेक घर व्हिया करै
अेक कमरो
जिणरो वो किरायो दिया करै
कीं लोग
जिकां नै वो परवार कैया करै।

जुड़ाव

सगळी आंगळियां अेक सरीखी नी व्है
—इत्तौ कैवण सूं पूरी नी व्है बात
जठै तांई नी कैवां
के सगळी आंगलियां अँगूठै समेत
हथेळी सूं जुड़पोड़ी व्हिया करै !

आदमी
खुद री ओळख खुद व्हिया करै
आपरा तमाम
निवळा-सवळा अँगा-प्रत्यँगां समेत
गिणीजै जिणरी अेकोअेक हरकत
अर गवाही नै त्यार
जबान माथै आवणियौ
अरथ री तमाम गुंजाइसा रो बोझ उँचायां
अेकोअेक सबद
आदमी री ओळख सूं जुड़पोड़ा व्हिया करै
आदमी खुद री ओळख खुद दिया करै।

आदमी रौ
अेक घर व्हिया करै
अेक कमरौ
जिणरौ वो किरायौ दिया करै
कों लोग
जिकां नै वो परवार कैया करै।

डावें अर डावें वो दौडती जावे
तूटोडा, छूटोडा
रस्तें रा रिस्तां नें जोडतो रैया करै।

आदमी रो अेक चोखूणो घर व्हिया करै
अेक कमरो
जिणरो वो किरायो दिया करै।

कमरो
के जिणरी सफाई-पुताई
अर पलस्तर तकात
किरायेदार री जिम्मेवारी सू
जुडयोडा व्हिया करै।
अर जिणमें
खूणै-खूणै री बॅटवाड कर
अेक परिवार रैया करै।

अठीनै
इण ठाकुर जी रै आळै समेत
ओ खूणो मा-सा री
जिणमें निवासे
तैंतीस करोड़ देवी देवता
(याद आवै बटवाड़ पछै भारत री जनसंख्या)
जिकां री तस्वीरा
कूकू-केसर रा छाटा सू छिरगी है।
बिना स्लोकां री गीता री टीका
जिणरै हरेक अध्याय लारै जुड़ियोड़ी
महातम्य री कथा री पाथी भूल
डोकरी नै पाप सू डरावा करै
मिंदर सू पाछी आय
रसोई बणावती बहू रै खूणै में
निजर राखती
भजो कर आखर्ता-पाखर्ता रो बुढापो

डावै अर डावै वो दौडती जावै
तूटोडा, छूटोडा
रस्तै रा रिस्तां नै जोडतो रैया करै।

आदमी रो अेक चौखूणो घर व्हिया करै
अेक कमरो
जिणरो वो किरायो दिया करै।

कमरो
के जिणरी सफाई-पुताई
अर पलस्तर तकात
किरायेदार री जिम्मेवारी सू
जुडयोडा व्हिया करै।
अर जिणमें
खूणै-खूणै री बंटवाड कर
अेक परिवार रैया करै।

अठीनै
इण ठाकुर जी रै आळै समेत
ओ खूणो मा-सा रो
जिणमें निवागे
तेंतीस करोड़ देवी देवता
(याद आवै बटवाड़ पछै भारत री जनसंख्या)
जिकां री तस्वीरां
कूकू-केसर रा छांटा सू छिरगी है।
बिना स्लोकां री गीता री टीका
जिणरै हरेक अध्याय लारै जुड़ियोड़ी
महात्म्य री कथा रो पाठो भूत
डोकरी नै पाप सू डरावा करै
मिंदर सू पाछी आय
रसोई बणावती बहू रै खूणै में
निजर राखती
भळो कर आवतां-जावतां री खुदाणो

छकड़ी भूल

छकड़ौ वणा जाया करै ;
पण घर रा गाढ़ा रिस्ता जुड़ियोड़ौ
दौड़तो रैया करौ।

इण खूणै में भावी भारत
चौपियै-मूगळी अर टिंकोरचै री अवाजां बिचाळै
घोड़ी में भाई नै हींडौ देवतौ
पाखती सू आवती फिल्मी गाणै री धुन माथै
भणाई री भूला सुधारतौ
आपरौ पाठ याद किया करै
कदेई पोथी मांयला तौ कदेई पोथी बारला
सवाळ
लगोलग उणनै ई उळझाया करै।
अर औ अठीनै—इण खूणै
पेटी-बिस्तर रै स्यारै बैठो
चारूं खूणां ओछत री हिसाब लगावतौ
ताकड़ी-तोला सभाळतौ
आदमी सगळी वातां तोलतौ रैवै।

पुद नै बचावतौ रैवै—
—अध्याय री समाप्ती सू पैलो
बुजणआळी जोत सू
—तवै माथै न्हाक'र
भूल्योड़ी रोटी सू
—भणाई री पोथी बारलै
टाबर री उमर उलांगतै
सवाळ सू !
अेड़ा कमरा में
अवस्था री उमर आगून आया करै
टाबर
बगत सू पैलो

छकड़ी भूल
छकडो वणा जाया करै ;
पण घर रा गाढ़ा रिस्ता जुड़ियोड़ो
दौड़तो रैया करो।

इण खूणै में भावी भारत
चीपियै-भूगळी अर टिकोरधै री अवाजां विचाळै
घोड़ी में भाई नै हीडो देवतो
पाखती सू आवती फिल्मी गाणै री धुन माथै
भणाई री भूला सुधारतो
आपरो पाठ याद किया करै
कदेई पोथी मांयला तो कदेई पोथी वारळा
सवाळ
लगोलग उणनै ई उळझाया करै।
अर ओ अठीनै—इण खूणै
पेटी-विस्तर रै स्यारै बैठो
चारूं खूणां ओछत रो हिसाब लगावतो
ताकड़ी-तोला सभाळतो
आदमी सगळी वातां तोलतो रैवै।

पुद नै वचावतो रैवै—
—अध्याय री समाप्ती सू पैली
बुजणआळी जोत सू
—तवै माथै न्हाक'र
भूल्योड़ी रोटी सू
—भणाई री पोथी वारलै
टावर री उमर उलांगतै
सवाळ सू !
अंडा कमरा में
अवस्था री उमर आगून आया करै
टावर
वगत सू पैली

के हरेक बीमारी रो
इलाज व्हिया करै
कांम पड़्यां
जबांन रो उत्तर
कदैई-कदैई हाथ दिया करै
पण हाथ, नात अर बात माथै
काबू राखणियौ इज मात दिया करै।
कमरै-दर-कमरै गूथीज्योड़ा
किरायेदारां री
बिजळी-पांणी री चोटी
मकान मालिक री अेडी नीचै व्हिया करै
केई 'खम्मा-खम्मा' रा उंचावणिया कैवै
'मकान मालिक
मालिक व्हिया करै।'
जदै इज तो
मकान मालिक रा मुन्ना बाबू
दड़ी-बल्लै रै खेल में
कदैई 'आउट' नीं व्हिया करै।
आदमी इत्तौ इज तो कर सकै
के आपरा टाबरियां नै समझाय दै—
'बेटा, औ खेल यूं नी
यूं खेलीज्या करै,
बिना नियमां कोई खेल नीं व्है
गरीब री अमीर सूं
कदैई मेळ नी व्है।

इण सेठां री पोळ में
कमरै सूं कमरै री
जुड़्योडी ओळ में
केई घर बास करै
अर सेठाणी आपरौ 'पणौ' बतावण सारू
कदैई इण घर में तो कदेई उण घर में
जाड़-फूक कर दिया करै।

के हरेक बीमारी री
इलाज व्हिया करै
कांम पड़्यां
जबांन री उत्तर
कदेई-कदेई हाथ दिया करै
पण हाथ, लात अर बात माथै
काबू राखणियौ इज मात दिया करै।
कमरै-दर-कमरै गूथीज्योड़ी
किरायेदारां री
बिजळी-पांणी री चोटी
मकान मालिक री अेडी नीचै व्हिया करै
केई 'खम्मा-खम्मा' रा उंचावणिया कैवै
'मकान मालिक
मालिक व्हिया करै।'
जदै इज तौ
मकान मालिक रा मुन्ना बाबू
दड़ी-बल्ले रै खेल में
कदैई 'आउट' नीं व्हिया करै।
आदमी इत्तौ इज तौ कर सकै
के आपरा टाबरियां नै समझाय दै—
'बेटा, औ खेल यूं नी
यूं खेलीज्या करै,
बिना नियमां कोई खेल नीं व्है
गरीब री अमीर सूं
कदैई मेळ नी व्है।

इण सेठां री पोळ में
कमरै सूं कमरै री
जुड़्योड़ी ओळ में
केई घर वास करै
अर सेठाणी आपरौ 'पणौ' बतावण सारू
कदैई इण घर में तौ कदेई उण घर मे
जाड़-फूक कर दिया करै।

म्हांनै क्यू नी घुमावौ ?
बाप मुळक'र मनोमन कैवै
धीरज राखौ बेटा
वगत आया मिनख
आपौआप घूमण लाग जाया करै।
घर रौ खाडौ बूरण सारू
केई खाडा खोदणा पड़ जाया करै।

घर रै बारै आदमी
जगै-जगै वटया करै
केई जगै कटया करै
कठै तांई वचावतौ रैवै खुद नै
अदीठ धार री मार सू
अेक हाथ वचावण सारू
केई वार
दूजोड़ौ हाथ कटाया करै
अर सेवट
इण कटाव सूं वचाव रौ उणनै
अेक इज रस्तौ निजर आया करै
के आदमी
आदमी सू
जुड़तौ जाया करै।

आदमी
आदमी सू इज नी
घर-गळी-गवाड़ सू लैय'र
देस अर दुनियां ताई जुड़ जाया करै।

कमरै सू कमरौ जुड़ व्है मकान
मकान-दर-मकान जुट
वण जावै गळी
जुड़ाव री आ वात
गळी-गवाड़ सू लैय'र
व्है आखै सै'र ढळी।

म्हांनै क्यूं नी घुमावो ?
बाप मुळक'र मनोमन कंवै
धीरज राखो बेटा
वगत आया मिनख
आपौआप घूमण लाग जाया करै।
घर रो खाडो बूरण सारू
केई खाडा खोदणा पड़ जाया करै।

घर रै बारै आदमी
जगै-जगै बटया करै
केई जगै कटया करै
कठै तांई बचावतो रैवै खुद नै
अदीठ धार री मार सू
अेक हाथ बचावण सारू
केई वार
दूजोड़ो हाथ कटाया करै
अर सेवट
इण कटाव सूं बचाव रो उणनै
अेक इज रस्तो निजर आया करै
के आदमो
आदमी सू
जुड़तो जाया करै।

आदमी
आदमी सू इज नी
घर-गळी-गवाड़ सू लैय'र
देस अर दुनियां तांई जुड़ जाया करै।

कमरै सू कमरो जुड़ व्है मकान
मकान-दर-मकान जुट
बण जावै गळी
जुड़ाव री आ बात
गळी-गवाड़ सू लैय'र
व्है आखै सै'र ढळी।

उधार नै उभाण'र
रोकड़ नै पैली निपटाया करै
उण दिन उणनै
जैरामजी री करता खुद बुलाया करै।
उधार रो सूरज
जित्तो वेगो चढै
उत्तो वेगो ढळै कोनी
उधार वा वेनड़ी
जिकी फळै तो है पण वळै कोनी।

मानो के वै लोग आगळी नी
सीधो पुणचो पकड़ वाहुडो झाल लिया करै
पण ओ ई
इत्तो सोरो नी व्हिया करै
मैणत रै संचै ढळी
आटणिया हथेळिया
हिलाय सकै वत्तीसी री नींवां
वाहुड़ो झाळणिया हाथ ई जाणै
के वारी सीवां
कठै तांई रैया करै।

हां, की लोगां री आदत में सुमार व्है
रस्तै विच्चै ऊभ'र
चिमकाऊ कारवायां करणी
सबदां नै चीसळियां चढाय
चालतै मिनख री चाल चुकावणी
आदमी री समझ धीरै-धीरै
मदारी री गळाफाड़ अवाजा री
सीवां सोध लिया करै।
इणनै टा ई नी पड़ै
अर इणरै नांव सूं कर देवै खाती
अै सात्ती रा जापक

उधार नै उभाण'र
रोकड़ नै पैली निपटाया करै
उण दिन उणनै
जैरामजी री करता खुद बुलाया करै।
उधार रौ सूरज
जित्तौ वेगौ चढै
उत्तौ वेगौ ढळै कोनी
उधार वा वेलड़ी
जिकी फळै तौ है पण वळै कोनी।

मानी के वै लोग आगळी नीं
सोधौ पुणचौ पकड वाहूडौ झाल लिया करै
पण औ ई
इत्तौ सोरौ नीं व्हिया करै
मैणत रै संचै ढळी
आटणिया हथेळिया
हिलाय सकै वत्तीसी री नींवां
वाहुड़ौ झाळणिया हाथ ई जाणै
के वारी सीवां
कठै तांई रैया करै।

हां, की लोगां री आदत में सुमार व्हे
रस्तै विच्चै ऊभ'र
चिमकाऊ कारवायां करणी
सबदां नै चीसळियां चढाय
चालतै मिनख री चाल चुकावणी
आदमी री समझ धीरै-धोरै
मदारी री गळाफाड़ अवाजा री
सीवां सोध लिया करै।
इणनै ठा ई नी पडै
अर इणरै नांव सूं कर देवै ऋाती
अै साती रा जापक

आगे री आगे रैयी
दोय कलाकार !
अेक नै जग मांनै
दूजै नै लोग जांणै ई कोनीं !

इत्तो तौ आप ई जांणौ के
म्हाणा वळयोड़ा मसीनी पुरजा
म्हांणौ काम, विदेसां नै मात करै
अर म्हैं···???

छोडो इण बात नै
अब्बै की परवा नीं
टवार जवान ह्वै रैया है !

सुणौ बाबू साब—
जिण बगत चीजां रा भाव सुणूं
लागै कोई काळजौ फंफेड़ दियौ
अर आप तो देखौ इज हौ—
जिकी चीजा बजार में नी ह्वै
वांरा विग्यापन ह्विया करै
अर जिकां रै कनै ह्वै
वै अेक रा दोय लिया करै
पण पछै ई कोई
असली ह्वैण री गारंटी दिया करै ?

आपनै तो ठा इज है—
कित्तौ माल
झूपड़ा सू बंगला मैं जाया करै
ऊपर सू कित्तौ जैर अै
नीचै बरसाया करै
आपरै कनै नी ह्वैला इणरौ हिसाब
की बात नी

आगै रौ आगै रैयौ
दोय कलाकार !
अेक नै जग मांनै
दूजै नै लोग जांणै ई कोनीं !

इत्तौ तौ आप ई जांणौ के
म्हाणा बळ्योड़ा मसीनी पुरजा
म्हांणौ काम, विदेसां नै मात करै
अर म्हैं···???

छोडौ इण बात नै
अब्बै कौ परवा नीं
टवार जवान ह्वै रैया है !

सुणौ बाबू साब—
जिण बगत चीजां रा भाव सुणूं
लागै कोई काळजौ फंफेड़ दियौ
अर आप तौ देखौ इज हौ—
जिकी चीजा बजार में नी ह्वै
वांरा विग्यापन ह्निया करै
अर जिकां रै कनै ह्वै
वै अेक रा दोय लिया करै
पण पछै ई कोई
असली ह्वण री गारंटी दिया करै ?

आपनै तौ ठा इज है—
कित्तौ माल
झूपड़ा सू बंगला मैं जाया करै
ऊपर स् कित्तौ जैर अै
नीचै बरसाया करै
आपरै कनै नी ह्वैला इणरौ हिसाब
की बात नी

के देस केई सेठ वणगा'र
केई देस मुनीम
केयां में कमतर रौ राज है
अर म्हांरी
आ जिकी दसा आज है
यू इज नी रेवैला
अेक दिन वगत जरूर पलटी तो लेवैला
साहब जी !

म्हैं
टावरां नै पढ़ाय रैयो हूं
वै
समझदार ह्वै रैया है।
जवान व्है रैया है।

के देस केई सेठ वणगा'र
केई देस मुनीम
केयां में कमतर रौ राज है
अर म्हांरी
आ जिकी दसा आज है
यू इज नी रैवैला
अेक दिन वगत जरूर पलटो तो लेवैला
साहब जी !

म्हैं
टावरां नै पढ़ाय रयौ हूं
वै
समझदार व्है रैया है।
जवान व्है रैया है।

आगै औ पसराव

अंधारै रा घाव

मौसम री मार

तूटतौ सम्मोहन

उडीक

बाकी हिसाब

कम्पोजिटर

लावौ दौ माचिस

बीज

क्यूं इत्ता नाराज

आखती-पाखती रा रग

आग री ओळख

आगै औ पसराव

अंधारै रा घाव
मौसम री मार
तूटतौ सम्मोहन
उडीक
बाकी हिसाब
कम्पोजिटर
लावौ दौ माचिस
बीज
क्यू इत्ता नाराज
आखती-पाखती रा रग
आग री ओळख

अंधारै रा घाव

काळौ अर काळौ
अंधारौ वण-काळौ
हाड-हाड तोड रैयौ
औ काळौ अजगरी कसाव ।

अंधारौ/काळस में गमियोड़ी दीठ
अंधारौ/अतस में वळती आ लाय
अधारौ/अेक देह कसती इज जाय
अंध।रौ घण काळौ ।

अंधारौ/घर काळौ
काळी है भीता सं
काळी छत, काळौ है आंगणौ
तूटोड़ी वारी अर
अधतूटौ दरवाजौ जूझै
पवनमार धूजै
सोध रैयी अठी-उठी
दो आंख्या डरप्योड़ी
की ई नीं सूझै ।

कळझळतै अतस में
पसरै की यूं सवाल—
लेय उडी वारी नै

अंधारै रा घाव

काळौ अर काळौ
अंधारौ घण-काळौ
हाड-हाड तोड रैयौ
औ काळौ अजगरी कसाव ।

अंधारौ/काळस में गमियोड़ी दीठ
अंधारौ/अतस में बळती आ लाय
अधारौ/अेक देह कसती इज जाय
अंध।रौ घण काळौ ।

अंधारौ/घर काळौ
काळी है भीता सैं
काळी छत, काळौ है आंगणौ
तूटोड़ी बारी अर
अधतूटौ दरवाजौ जूझै
पवनमार धूजै
सोध रैयी अठी-उठी
दो आंख्या डरप्योड़ी
की ई नीं सूझै ।

कळझळतै अतस में
पसरै की यूं सवाल—
लेय उडी बारी नै

पड़्-पड़् झूपड़ी
अंधारो···
रिस्ता सै किरच-किरच
अंधारो···
बात-बात किच-किच है, थू-थू है
अंधारो/घायल पग सोध रै'या रोसणी।

अंधारो लदियोड़ो
अधारै/अंधारो
पुडत-पुड़त काळस री
ज्यू जमती जाय
रूप लै आकार
अर आकार
निराकार व्हैता जाय।

धरा चढ़ी के तो आकासां
के आभो पाताळ
लागै दिसा/दिसा में घुसगी
जवरो आळ-जंजाल।

हाथ
हवा में ऊठै-घूमै
पाछा आ जावै
उरभाणा पग
ठोकर डर री वेड़ियां
खुभै-चुभै कांटा अर काकरा
रूंख हेटै देह खोलै
थकेलै री गांठड़ी
अर बिसाई खावै
घड़ी आंख लागै
घड़ी चेत आवै।

पड़्-पड़् झूपड़ी
अंधारौ…
रिस्ता सैं किरच-किरच
अंधारौ…
बात-बात किच-किच है, थू-थू है
अंधारौ/घायल पग सोध रै'या रोसणी।

अंधारौ लदियोड़ौ
अधारै/अंधारौ
पुडत-पुड़त काळस री
ज्यू जमती जाय
रूप लै आकार
अर आकार
निराकार व्हैता जाय।

धरा चढ़ी के तौ आकासां
के आभौ पाताळ
लागै दिसा/दिसा में घुसगी
जबरौ आळ-जंजाल।

हाथ
हवा में ऊंडै-घूमै
पाछा आ जावै
उरभाणा पग
ठोकर डर री बेड़ियां
खुभै-चुभै कांटा अर काकरा
रूंख हेटै देह खोलै
थकेलै री गांठड़ी
अर विसाई खावै
घड़ी आंख लागै
घड़ी चेत आवै।

खुद लोही-झांण करै
क्यू नूकै अंडै में
हमलावर अंधारो।
अंधारो…अंधारो
पसरै ज्यू जगळ में
लागोड़ी लाय
सूतोड़ा सिंघ अठै सूता रै जाय।

जद-जद वो यू आयो
मांडतो रगत पगल्या
टिमटिमता दिवलां री
बुझती गी जोत
दरवाजै-दरवाजै सूती ही लोथ
तद-तद कू-कू पगल्यां थरपीज्यां
पासाणी देवत नै सीस झुक्या
अंजळियां
आकासा अरपित व्ही
हवन-कुड सगती रो
आवाहन करता हा।

बिन परख्यां सगती नै
सगती कुण कद मानी
सगती संहार रूप परखीजै
सगती मद उपजावै/गैळ चढ़ै
प्रगटै जद सगती हथियार रूप
सस्तर री धार
वार
मार करै भारी
अर कुण झेलै वांनै—
अै अंधारी वस्ती री देहियां।

खुद लोही-झांण करै
क्यू चूकै अंडै में
हमलावर अंधारो।
अंधारो···अंधारो
पसरै ज्यू जगळ में
लागोड़ी लाय
सूतोड़ा सिंघ अठै सूता रै जाय।

जद-जद वो यू आयो
मांडतो रगत पगल्या
टिमटिमता दिवलां री
बुझती गी जोत
दरवाजै-दरवाजै सूती ही लोथ
तद-तद कू-कू पगल्यां थरपीज्यां
पासाणी देवत नै सीस झुक्या
अंजळियां
आकासा अरपित व्ही
हवन-कुड सगती री
आवाहन करता हा।

बिन परख्यां सगती नै
सगती कुण कद मानी
सगती संहार रूप परखीजै
सगती मद उपजावै/गैळ चढै
प्रगटै जद सगती हथियार रूप
सस्तर री धार
वार
मार करै भारी
अर कुण झेलै वांनै—
अै अंधारी वस्ती री देहियां।

धरम-छेत्र/करम छेत्र मानीज्यौ।

टूट रै'यौ अधारौ, तिड़क रै'यौ अंधारौ
लीर-लीर अधारौ, किरच-किरच अधारौ
घायल कर
घायल है अंधारौ।

धरम-छेत्र/करम छेत्र मानीज्यो।

टूट र'यो अधारो, तिड़क र'यो अंधारो
लीर-लीर अधारो, किरच-किरच अधारो
घायल कर
घायल है अंधारो।

थरपीजै/दागोल रिस्तौ
भीज्योड़ी/भिजोयोड़ी
चीजां साथै पाणी
चढ़ जावै कांटै अर
गरीब ग्राहक नैं काटै।

हवा री गरम हथेळिया
फेंकै रेत
अर सगळौ वदन
रेत-रेत रेतिया व्है जावै
कपड़ां नीचै
पसरै चिपचिपाट
वेवै/वासै पसीनौ
वदन माथै कपड़ा
जूतां में पग अर
माय सू मन
वळण लाग जावै।
आदमी
घणा दोरा भेळा करै
ठडक रा किरचा
विना पाणी/ पाणी-पाणी व्है जावै
मौसम है के
मांवौ-मांय
तिरस री धार तीखावै।

ज्यू-त्यूं
मौसम री मार खावतौ मिनख
आखती-पाखती ओट लेवतौ
हाथ-उधारा हथियारां
मुकाबलौ मार जाया करै
मौसम/वार करतौ आवै अर
हार खावतौ जाया करै।

थरपीजै/दागोल रिस्तौ
भीज्योड़ी/भिजोयोड़ी
चीजां साथै पाणी
चढ़ जावै कांटै अर
गरीब ग्राहक नै काटै।

हवा री गरम हथेळिया
फैंकै रेत
अर सगळौ वदन
रेत-रेत रेतिया व्है जावै
कपड़ां नीचै
पसरै चिपचिपाट
बैवै/वासै पसीनौ
वदन माथै कपड़ा
जूतां में पग अर
माय सू मन
वळण लाग जावै।
आदमी
घणा दोरा भेळा करै
ठडक रा किरचा
बिना पाणो/ पाणी-पाणी व्है जावै
मौसम है के
मांवौ-मांय
तिरस री धार तीखावै।

ज्यू-त्यूं
मौसम री मार खावतौ मिनख
आखती-पाखती ओट लेवतौ
हाथ-उधारा हथियारां
मुकाबलो मार जाया करै
मौसम/वार करतौ आवै अर
हार खावतौ जाया करै।

खयालां, खवरां अर खरचां री
अबखाई सू घिरियौ
पडपड़ावतौ गरमी खावै
चाय र पाणी ज्यू उकळ
नैठाव रै प्यालै में ढळीज
मूडै ताई री गरमास वण
रैय जावै।

प्रचार रौ परवानौ लैय
फैसण री आंट में अंटीज
जद कीमती कपडै रौ कचूमर काढै
तद उणनै ठा नी पड़ै के वौ
आपरै परवार रा लोगां रा
हाडकां रै जगळ में
कित्ती लाय उगावै।

सक्करां गलेफीज्योड़ा सोख
जैरीली आदतां वण जावै।

सभ्यता री तालीम रै नाव
सभ्य लोगां रै वताया मुजव
इणनै
फिल्मां, पोस्टरां अर अखवारां मांयली
'मॉडल गर्ल' करै खतरनाक इसारा
अर लगातार भरमाया करै
हरेक बगलौ अर हवेली
झूपड़ी नै लगौलग ललचाया करै।

खेत अर गोदाम विचाळै थरपीजै सुरंग
समदर रौ पाणी लैय
बादळौ नदियां तरसावै
पाणी विकै
पाणी री कांणी बिकै

खयालां, खबरां अर खरचां री
अबखाई सूं घिरियौ
पडपड़ावतौ गरमी खावै
चाय र पाणी ज्यूं उकळ
नैठाव रै प्यालै में ढळीज
मूंडै ताई री गरमास बण
रैय जावै।

प्रचार रौ परवानौ लेय
फैसण री आंट में अंटीज
जद कीमती कपडै रौ कचूमर काढै
तद उणनै ठा नी पड़ै के वौ
आपरै परवार रा लोगां रा
हाडकां रै जगळ में
कित्ती लाय उगावै।

सक्करां गलेफीज्योड़ा सौख
जैरीली आदतां बण जावै।

सभ्यता री तालीम रै नाव
सभ्य लोगां रै बताया मुजब
इणनै
फिल्मां, पोस्टरां अर अखबारां मांयली
'मॉडल गर्ल' करै खतरनाक इसारा
अर लगातार भरमाया करै
हरेक बगलौ अर हवेली
झूपड़ी नै लगोलग ललचाया करै।

खेत अर गोदाम बिचाळै थरपीजै सुरंग
समदर रौ पाणी लेय
बादळी नदियां तरसावै
पाणी बिकै
पाणी री कांणी बिकै

उडीक

कच्ची दारू रँ भभकँ दाई
पसर जावँ झूपड़ी माथँ दिन—
जाग जावँ गळियां में
गाळियां अर जाळियां
उणरी मजूरी माथँ जावण री
बगत व्हेगी पण वो
कालँ री गयोड़ी
हाल पाछी बावड़ियी कोनी।

अँ ऊंची इमारतां/सरू कर दी
झूंपडिया नै कस-कस'र मारणी ठोकर
बारँ निकळियां पछँ वो
बण जावँ 'मेटाडर' के जोकर
गरीब री भूख
फाटोड़ी चप्पल में चुभती
कील ज्यूं
अस्टपौर बणायां राखँ
अेक चुभाव
तुलसी व्हौ के कबीर
पेट बजाय'र हाथ पसारतौ
आयगो दरवाजँ

उडीक

कच्ची दारू रं भभकं दाई
पसर जावं झूपड़ी माथं दिन—
जाग जावं गळियां में
गाळियां अर जाळियां
उणरी मजूरी माथं जावण रौ
बगत व्हेगी पण वौ
काळं रौ गयोड़ौ
हाल पाछौ बावड़ियौ कोनी।

अं ऊंची इमारता/सरू कर दी
झूंपडिया नं कस-कस'र मारणी ठोकर
वारं निकळियां पछं वौ
बण जावं 'मेटाडर' के जोकर
गरीब री भूख
फाटोड़ी चप्पल में चुभती
कील ज्यूं
अस्टपौर वणायां राखं
अेक चुभाव
तुलसी व्हौ के कवीर
पेट वजाय'र हाथ पसारतौ
आयगौ दरवाजं

अंग अधर व्है जावै
वौ है के दवा अर दुआ बिच्चै
झोला खावै।
दिलासा री अफीम चटाय'र
हीडावै राजनीती—'सोजा बाबू सोजा रे
थोडौ मोटौ व्हेजा रे!'
पण इण बाबू नै कदैई मोटौ नी व्हेण दै
नोट अर सोट रै इसारै
वोट न्हाक'र बाबू खुद नै सरकार मान
राजी व्है जावै।
बात घर-गवाड री व्हौ के देस-परदेस री
पढ़ै-गुणै खुद नी समझै
पण दूजां नै समझावै
अबै वौ पाछो आवै तौ की सुणावै।

वौ रोजीना काम री तलास में जावै
तद उणनै लखावै—
जिकां कनै काम है
वै करै कोनी
जिका करणौ चावै
वांनै मिळै कोनी।
छपियोडी व्हौ के कोरियोडी
के भलाई घडियोड़ी
रपटवां गोळाया अर
मूंडै भरीजतौ पाणी
कद तांई व्है
अदीठ काणी री राणी सू खेंचाताणी
अर रोजीना अेक तस्वीर तिड़काय दै
नामचीन पैलवान
समाज रै दुरग माथै रैवै
अस्टपौर पोहरौ

अंग अधर व्है जावै
वौ है के दवा अर दुआ विच्चै
झोला खावै ।
दिलासा री अफीम चटाय'र
हीडावै राजनीती—'सोजा बाबू सोजा रे
थोडौ मोटौ व्हेजा रे !'
पण इण बाबू नै कदेई मोटौ नी व्हेण दै
नोट अर सोट रै इसारै
वोट न्हाक'र बाबू खुद नै सरकार मान
राजी व्है जावै ।
बात घर-गवाड री व्हौ के देस-परदेस री
पढ़ै-सुणै खुद नी समझै
पण दूजां नै समझावै
अवै वौ पाछौ आवै तौ की सुणावै ।

वौ रोजीना काम री तलास में जावै
तद उणनै लखावै—
जिकां कनै काम है
वै करै कोनी
जिका करणौ चावै
वांनै मिळै कोनी ।
छपियोडी व्हौ के कोरियोडी
के भलाई घडियोड़ी
रपटवां गोळाया अर
मूंडै भरीजतौ पाणी
कद तांई व्है
अदीठ काणी री राणी सू खेंचाताणी
अर रोजीना अेक तस्वीर तिड़काय दै
नामचीन पैलवान
समाज रै दुरग माथै रैवै
अम्टपौर पोहरौ

बाकी हिसाव

रोजीना नक्सै में कुरियोड़ौ नगर अेक
ऊगतै उजास समचै उठ खोलै
आपरौ रोजनामचौ अर
बाकी हिसाव री वसूली करण लागै ।

सूतोडौ लारलौ हिसाव उठ जागै

घोड़ै रै चाबुक जोर सू मारियां
सवारी पइसा वत्ता नी दै भाई
यूं ताव नै मत पाळ
सावळ रास नै संभाळ
घोड़ै री नाळ उखळगी
थारी लटकगी खाल
थनै मिळौ नी मिळौ
घोड़ै नै दाणौ देवणौ पड़ैला
वोट लाटणियै सू पूछणौ पड़ैला
कद तांई रैवैला अै हवाल
सवाल
पैंतीस वरसा सू जवाब मांगै है ।

रावळै रै पसवाड़ै हेटै दबियोड़ौ
थारौ दादौ

बाकी हिसाब

रोजीना नक्सै में कुरियोड़ौ नगर अेक
ऊगतै उजास समचै उठ खोलै
आपरौ रोजनामचौ अर
बाकी हिसाब री वसूली करण लागै ।

सूतोडौ लारलौ हिसाब उठ जागै

घोड़ै रै चाबुक जोर सू मारियां
सवारी पइसा वत्ता नी दै भाई
यूं ताव नै मत पाळ
      सावळ रास नै संभाळ
घोड़ै री नाळ उखळगी
      थारी लटकगी खाल
थनै मिळौ नी मिळौ
घोड़ै नै दाणौ देवणौ पडैला
वोट लाटणियै सू पूछणौ पड़ैला
कद तांई रैवैला अै हवाल
            सवाल
पैंतीस बरसा सू जवाब मांगै है।

रावळै रै पसवाड़ै हेटै दबियोड़ौ
            थारौ दादौ

कम्पोजिटर

अेक-अेक आखर चुगतौ
सबद-दर-सबद जगै भरतौ
जिंदगानी रा केई विसयां नै
मान-मोल देवतौ कम्पोजिटर
सीनैं माय दरदीलौ तणाव उठण तांई
लगौलग फेंकतौ रैवै हाथ।

'स्वास्थ्य सारू नुकसाणदाई' व्हेणै रौ
नी रैवै कोई अरथ
बरसां सीसै मे रेळ-पेळ व्हेती
आंगळियां सारू।

रगत रै पाण आखर चुगता
वाहुड़ौ अधर व्हैजा जठै तांई री
दौड़ दौडतौ औ
काई गुन्हौ कियौ के सिझ्या तांई
फगत रोटी रौ सरतण व्हियौ
साग बाकी रैयगौ।

आखर-आखर भरीजती 'स्टिक'
स्टिक दर स्टिक भरीजती 'गैली' रै
समचै भरीजती तिजोरी
मालिक री
छेहली बूंद ताई निचोवती हरकत

कम्पोजिटर

अेक-अेक आखर चुगतौ
सबद-दर-सबद जगै भरतौ
जिदगानी रा केई विसयां नै
मान-मोल देवतौ कम्पोजिटर
सीनैं माय दरदीलौ तणाव उठण तांई
लगौलग फेंकतौ रैवै हाथ।

'स्वास्थ्य सारू नुकसाणदाई' व्हेणै रौ
नी रैवै कोई अरथ
बरसां सीसै मे रेळ-पेळ व्हेती
आंगळियां सारू।

रगत रै पाण आखर चुगता
वाहुड़ौ अधर व्हैजा जठै तांई री
दौड़ दौडतौ औ
काई गुन्हौ कियौ के सिझ्या तांई
फगत रोटी रौ सरतण व्हियौ
साग वाकी रैयगौ।

आखर-आखर भरीजती 'स्टिक'
स्टिक दर स्टिक भरीजती 'गैली' रै
समचै भरीजती तिजोरी
मालिक री
छेहली बूंद ताई निचोवती हरकत

कितौक तेज दौड़ै
औ रोटी री पकड सारू
कांई तद तांई के
जद रोटी झपटता
ठोकर खाय हेटौ पड़ै
उण बगत रोटी माथै हेटै दबियोड़ी व्है
अर वाकौ फाटोड़ौ

उठी सै-चंदण / अठी घुप्प अधारौ
वारौ तौ सौख व्है / आरौ व्है भारौ।

ठीक है के सरकारी नौकर
भत्तै सू तोड़लै
मूंगाई रा दो-चार दांत
निजू नौकर रै मास में
मूगाई री बत्तीसी गड़ै है।

कांई इणनै अजै मिळी नी आजादी
इणरा दिन वतळावौ कद आवैला
जे किणी दिन आय सांमी
रोक रस्तौ ऊभगौ
तद काई थै इण सू आख मिळा पावोला ?

कितौक तेज दौड़ै
औ रोटी री पकड सारू
कांई तद तांई के
जद रोटी झपटता
ठोकर खाय हेटौ पड़ै
उण बगत रोटी माथै हेटै दबियोड़ी व्है
अर बाकौ फाटोड़ौ

उठी सैं-चंदण / अठी घुप्प अधारौ
वारौ तौ सौख व्है / आरौ व्है भारौ।

ठीक है के सरकारी नौकर
भत्तै सू तोड़लै
मूंगाई रा दो-चार दांत
निजू नौकर रै मास में
मूगाई री बत्तीसी गड़ै है।

कांई इणनै अजै मिळी नी आजादी
इणरा दिन वतळावौ कद आवैला
जे किणी दिन आय सांमी
रोक रस्तौ ऊभगौ
तद काई थै इण सूं आख मिळा पावोला ?

अबै तौ तू ई जांणै
थनै आरौ कांई करणौ है
म्हैं जावूला
म्हनै नुंवी माचिस रौ प्रवंध करणौ है।

हां, लावौ दो माचिस !
म्हैं विस्वास दिरावू
के म्है इणरौ की नी करूंला।
वीड़ी सिळगाय दोय कस खेचूंला
अेक आप ई खेच लीजो
पछै सोचांला—
आपां नै कांई करणौ है
थांरी पेटी थानैं पाछी कर दूला।

लावौ दौ माचिस
चूल्हो सिळगायलां
दोय टिक्कड़ पोयलां
अेक थैं खाइजो/अेक म्है खावूला
पछै आपा सावळ सोचांला
के अबै आपांनै
कांई, कीकर करणौ है।

म्है करूंला अर आप देखौला
तूळी रौ उपयोग फालतू नी व्हैला
दोय कप चाय वणाय'र पीलां
पछै सोचां
के कांई व्हेणौ चाइजै
समस्यावां रौ समाधान
माचीस सू इण वगत इत्तौ इज काम।

ठीक है के जेव में इण वगत
पइसा कोनी
माचिस म्हारै कनै ई लाध सकै

अबै तौ तू ई जांणै
	थनै आरौ कांई करणौ है
म्हैं जावूला
म्हनै नुंवौ माचिस रौ प्रबंध करणौ है।

हां, लावौ दो माचिस !
म्हैं विस्वास दिरावू
	के म्है इणरौ की नी करूंला।
वीड़ी सिळगाय दोय कस खेचूंला
अेक आप ई खेच लीजौ
पछै सोचांला—
	आपां नै कांई करणौ है
थांरी पेटी थानै पाछी कर दूला।

लावौ दौ माचिस
चूल्हो सिळगायलां
दोय टिक्कड़ पोयलां
अेक थै खाइजौ/अेक म्है खावूला
पछै आपा सावळ सोचांला
	के अबै आपांनै
	कांई, कीकर करणौ है।

म्है करूंला अर आप देखौला
तूळी रौ उपयोग फालतू नी व्हैला
दोय कप चाय वणाय'र पीलां
पछै सोचां
	के कांई व्हेणौ चाइजै
	समस्यावां रौ समाधान
माचीस सू इण वगत इत्तौ इज काम।

ठीक है के जेब में इण वगत
पइसा कोनी
माचिस म्हारै कनै ई लाध सकै

वीज

अठै इज
इण जमी माथै
खड़ं यौ खेत
वोवै वीज
कैसी चीज औ दांणौ ।

सूखौ चाटलै
के वाढ़ दै वैवाय
कुण जांणै ।
जरा लौ देख
नैड़ा आय अर
आंख्यां जमा इण हाथ
कैसी चीज है जांणौ ।

घणी ई मुस्किलां सू
मैणती हाथां मिलण व्हेणौ
सिनानां सौरमी आली जमी री
कूख में पड़णौ
किरण ज्यूं फूटणौ
अर फूलणौ
अर फैलतां जाणौ
पकड़ पवन आंगळी
सुर-लैरी ताळ देय
लय में ढळ जाणौ

वीज

अठै इज
इण जमी माथै
खड़ै वौ खेत
वोवै वीज
कैसी चीज औ दांणौ।

सूखौ चाटलै
के वाढ़ दै वैंवाय
कुण जांणै।
जरा लौ देख
नैड़ा आय अर
आंख्यां जमा इण हाथ
कैसी चीज है जांणौ।

घणी ई मुस्किलां सू
मैणती हाथां मिलण व्हेणौ
सिनानां सौरमी आली जमी री
कूख में पड़णौ
किरण ज्यूं फूटणौ
अर फूलणौ
अर फैलतां जाणौ
पकड़ पवन आंगळी
सुर-लैरी ताळ देय
लय में ढळ जाणौ

क्यूं इत्ता नाराज

इत्ता नाराज क्यू हौ बापू
जे म्हैं नी मांनी थांरी बात
गयौ परौ
थांरै बरजता थकां ई बारै
लारै
थैं उडीकता रैया म्हारी बाट।

कुण कियौ आकास इत्तौ बदरंग
दिसावां
क्यू आपरी ओळख गमाय दी
क्यू फेर जमी
पांणी बदळै लोही री मांग करै ?

थैं आंरा उत्तर नी देय सकौ
परवा नीं,
म्हैं बिना उत्तर नीं रैय सकूं।

जे म्हैं गयौ परौ
गरम हवा
अर धारदार हालात साथै
गस्त लगावतै
खतरै सांमी/मुकाबलै सारू/मित्रां साथै
उकेरतौ सवाळा रा जवाब
तौ क्यूं उदास आगणै

क्यूं इत्ता नाराज

इत्ता नाराज क्यू हौ बापू
जे म्है नी मांनी थांरी बात
गयौ परौ
थांरै बरजता थकां ई बारै
लारै
थै उडीकता रैया म्हारी बाट।

कुण कियौ आकास इत्तौ बदरंग
दिसावां
क्यू आपरी ओळख गमाय दी
क्यू फेर जमी
पांणी बदळै लोही री मांग करै?

थै आंरा उत्तर नी देय सकौ
परवा नीं,
म्है बिना उत्तर नीं रैय सकूं।

जे म्है गयौ परौ
गरम हवा
अर धारदार हालात साथै
गस्त लगावतै
खतरै सांमी/मुकाबलै सारू/मित्रां साथै
उकेरतौ सवाळा रा जवाब
तौ क्यूं उदास आगणै

पसवाड़ा फेरण लागै वा जूनी मार
उण बगत थँ
सगळा रिस्ता झाड़-झटक
गया परा वेलिया रै लार।

पच्छै, इत्ता नाराज क्यू हौ बापू
जे म्है नी मान थांरी बात
म्हांणी बात/म्हाणी जमी/म्हांणै आकास सारू
देखौ बापू
इण बदरंग व्हियोड़ै थारै आकास सारू
गयौ परौ काटीज्योड़ै फौलाद रा
छिलका उतारण
लैय रदौ
वणा टोळौ
गुण-अवगुण थांरा की पालतौ
रैवू म्है चालतौ
धरौ
धरौ म्हारै मौर थारौ हाथ
बापू, इणमें नाराजगी री किसी बात।

पसवाड़ा फेरण लागै वा जूनी मार
उण बगत थैं
सगळा रिस्ता झाड़-झटक
गया परा वेलिया रै लार ।

पच्छै, इत्ता नाराज क्यू हौ वापू
जे म्हे नी मान थांरी वात
म्हांणी वात/म्हाणी जमी/म्हांणै आकास सारू
देखौ वापू
इण बदरग व्हियोड़ै थारै आकास सारू
गयौ परौ काटीज्योड़ै फौलाद रा
छिलका उतारण
लैय रदौ
वणा टोळौ
गुण-अवगुण थांरा की पालतौ
रैवू म्हे चालतौ
धरौ
धरौ म्हारै मौर थारौ हाथ
बापू, इणमें नाराजगी री किसी बात ।

नीं बुझसी मिनखां जंगळ आग ।
बरसां सूखोड़ा खंखड चेतिया
आला-लीला ई भेळा बाळसी
आवै है, आवै है देखौ लाय ।

राम-नाम रै माथै थांरौ सांच
फकत
अरथी साथै उचरीजै अबै हमेंस
आंक-आक नै नफा-निजर सूं वांच
चौपारां आवण नीं देवौ आंच
वगत-वगत में
मिनख-मिनख रौ
न्यारौ-न्यारौ मोल-तोलकर
थारी आ दौलत री घट्टी

अेक-अेक ऊचाया पीसै
परवत ई दीसै तौ
सीस झुकाया दीसै ।

सिक्कौ,

झुका सकै थांरौ सीस
थै परवत रौ नीं
वौ तौ धरती सूं इज जुड़ेला अर
आकास नै इज निंवेला ।

सिक्कै नै यूं मत उछाळौ के
चमक तौ दीसै अर
सिक्कौ गायब व्है जावै
आदमी, आदमी सूं फकत
फंसण वण जावै ।

थांरौ सगळौ खेल कागदी
कागद रद्दी वण विक जावै
थै खुद नै ई वेच सकौ हौ

नीं बुझसी मिनखां जंगळ आग ।
बरसा सूखोड़ा खंखड चेतिया
आला-लीला ई भेळा वाळसी
आवै है, आवै है देखौ लाय ।

राम-नाम रै माथै थांरौ सांच
फकत
अरथी साथै उचरीजै अवै हमेंस
आंक-आक नै नफा-निजर सूं वांच
वौपारां आवण नीं देवौ आंच
वगत-वगत में
मिनख-मिनख रौ
न्यारौ-न्यारौ मोल-तोलकर
थारी आ दौलत री घट्टी
अेक-अेक ऊचाया पीसै
परवत ई दीसै तौ
सीस झुकाया दीसै ।
सिक्कौ,
झुका सकै थारौ सीस
थै परवत रौ नीं
वौ तौ धरती सूं इज जुड़ला अर
आकास नै इज निवैला ।

सिक्कै नै यूं मत उछाळौ के
चमक तौ दीसै अर
सिक्कौ गायब व्है जावै
आदमी, आदमी सूं फकत
फंसण वण जावै ।

थांरौ सगळौ खेल कागदी
कागद रद्दी वण विक जावै
थै खुद नै ई बेच सकौ हौ

आग री ओळख

आग फकत वा इज तौ नीं व्है
जिकी निजर आया करै
झळझळाट करती अगन
दीखै कोनी
पण रेत माथै बिछ जाया करै
पग घरां तौ सिक जाया करै

आग रै उपयोग सूं पैली
उणरी ओळख जरूरी
कांम काढ़ण सारू वा
पूरी है के अधूरी
औ जांणणौ जरूरी ।

वगत पड़िया आग
उपजावणी पड़ै
नी व्है तौ अठी-उठी सूं लावणी पड़ै
ठंड रै भाखर हेटै
दब'र मरण सू पेली
आग उपजाय
ठंड नै पिघळावणी पड़ै ।

जठै
निजर आवै आंख मे ललाई

आग री ओळख

आग फकत वा इज तौ नीं व्है
जिकी निजर आया करै
झळझळाट करती अगन
दीखं कोनी
　　पण रेत माथै बिछ जाया करै
　　पग घरां तौ सिक जाया करै

आग रै उपयोग सूं पैली
उणरी ओळख जरूरी
कांम काढ़ण सारू वा
　　　　पूरी है के अधूरी
औ जांणणौ जरूरी।

वगत पड़िया आग
　　　　उपजावणी पडै
नी व्है तौ अठी-उठी सूं लावणी पड़ै
ठंड रै भाखर हेटै
　　　　दब'र मरण सू पेली
आग उपजाय
ठंड नै पिघळावणी पड़ै।

जठै
निजर आवै आंख मे ललाई

कीकर वा पैदा व्है ?
सोच-समझ वा समझ
समझावणी थनै है ।

पण सैंगा पैलो तूं
अगनी सूं ओळखांण कर लीजै ।

कीकर वा पैदा व्है ?
सोच-समझ वा समझ
समझावणी थनैं है ।

पण सैंगा पैंलो तूं
अगनी सूं ओळखांण कर लीजैं ।

कीं नैनी कवितावां

कीं नैनी कवितावां